महाराष्ट्र में आयुध कारखाने

6861. **श्री देवराव पाटिल :** क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) महाराष्ट्र में स्थापित आयुध कारखानों द्वारा युद्ध में काम आने वाला कितना सामान तैयार किया गया और इससे विदेशी मुद्रा की कितनी बचत हुई ;

(ख) क्या यह उत्पादन निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

प्रतिरक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ल० ना० मिश्र) : (क) एक एक फैक्ट्री द्वारा या क्षेत्रवार उत्पादित युद्ध सामग्री की राशि प्रकट करना लोकहित में नहीं है ।

(ख) तथा (ग). सिवाए हाल में नई कमीशन की गई फैक्टरियों के जहां कि उत्पादन को लक्ष्य स्तर तक पहुंचाने के लिए क्रमशः बढ़ाया जाना है, आर्डनेंस फैक्टरियों में उत्पादन प्रायः नियत लक्ष्य के अनुरूप है ।

हिन्दी जानने वाले राजपत्रित अधिकारी

6863. **श्री रा० स्व० विद्यार्थी :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 15 मार्च, 1968 को उनके मंत्रालय में श्रेणी 1, 2 तथा 3 के कितने अधिकारी थे और उनमें से कितने अधिकारी हिन्दी जानते हैं :

(ख) हिन्दी प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत हिन्दी नजानने वाले व्यक्तियों में से इस समय कितने अधिकारी हिन्दी सीख रहे हैं;

(ग) शेष अधिकारियों को हिन्दी कब तक सिखा दी जायेगी; और

(घ) क्या उन्हें हिन्दी सिखाने के लिये कोई रोस्टर बनाने का प्रस्ताव है ?

सूचना तथा प्रसारण मंत्री (श्री के० के० शाह): (क) से (ग). अपेक्षित जानकारी एकत्र की जा रही है और यथा समय सदन की मेज पर रख दी जायेगी ।

(घ) इस काम के लिए रोस्टर बनाने के लिए अनुदेश जारी पहले ही किए जा चुके हैं ।

प्रतिरक्षा मंत्रालय में हिन्दी जानने वाले अधिकारी तथा कर्मचारी

6864. **श्री रा० स्व० विद्यार्थी :** क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 15 मार्च, 1968 को उनके मंत्रालय में विभिन्न वर्गों में कितने-कितने राजपत्रित अधिकारी तथा अन्य कर्मचारी थे और उनमें से कितने अधिकारी तथा कर्मचारी हिन्दी जानते हैं;

(ख) हिन्दी न जानने वाले अधिकारियों में से कितने व्यक्ति हिन्दी प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत इस समय हिन्दी सीख रहे हैं; और

(ग) शेष अधिकारियों को कब तक हिन्दी सिखाई जायेगी और क्या इस प्रयोजन के लिये कोई सूचियां तैयार की गई हैं ?

प्रतिरक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ल० ना० मिश्र) : (क) 15-3-1968 को रक्षा मंत्रालय में राजपत्रित अफसरों और अन्य कर्मचारियों की संख्या इस प्रकार है:—

प्रथम श्रेणी राजपत्रित	93
द्वितीय श्रेणी राजपत्रित	94
द्वितीय श्रेणी अराजपत्रित	305
तृतीय श्रेणी	343